हिन्दी साप्ताहिक

RNI No./ UTHIN/2020/79477

काशी क्रान्ति

वर्ष- 02 अंक - 04 काशीपुर (उधम सिंह नगर), 06 सितम्बर 2021, सोमवार पृष्ठ- 4 मूल्य- 2 रुपया

कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, विपक्षी दलों में मची हलचल

काशीपुर (संवाददाता)। कांग्रेस पार्टी के द्वारा निकाली गई परिवर्तन यात्रा का कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने नगर में जगह-जगह स्वागत किया पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आज काशीपुर में पार्टी की परिवर्तन यात्रा को संबोधित करते हुए इशारों ही इशारों में पिछले 35 साल से काशीपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस का विधायक न बन पाने का खुलासा करते हुए अपनी पार्टी के स्थानीय नेताओं पर निशाना साधा।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने बडध सधे हुये अंदाज में एक एक कर कांग्रेस की लगातार हारों का मंच से ही खुलासा करते हुए स्थानीय कांग्रेस नेताओं को एकजुटता का पाठ पढघया। काशीपुर कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास का जिक्र करते हुए हरीश रावत ने शहर के पुराने दिग्गज कांग्रेस नेताओं की याद दिलाई।पूर्व सांसद स्व सत्येंद्र चंद्र गुडिया और उनके परिवार का कांग्रेस के प्रति योगदान की चर्चा करते हुए उनका भावपूर्ण स्मरण किया। एक और कांग्रेस नेता शिवनंदन अग्रवाल का नाम लेना हरीश रावत नहीं भूले। मंच पर मौजूद पूर्व सासंद के सी सिंह बाबा को उन्होंने कुमाऊं का गौरव बताते हुए कहा कि बाबा को किसी पद की दरकार नहीं वह अपने नाम से ही पहचाने जाते हैं।कार्यक्रम में मौजूद पूर्व ब्लाक अध यक्ष विनोद वात्सल्य का भी उन्होंने मंच से जिक्र किया और कहा कि विनोद वात्सल्य तथा सत्येंद्र चन्द्र गुडिया एक दूसरे के पूरक माने जाते थे। वहीं काशीपुर के चतुर्वेदी परिवार को भी उन्होंने कांग्रेस का आधारस्तम्भ बताया। हरीश रावत ने इन सभी परिवारों से अपील की कि इस बार यह सभी परिवार मिलकर अगर जोर लगा दें तो काशीपुर में कांग्रेस का वर्षों पुराना सूखा दूर हो सकता है।लेकिन सबसे बडघे बात हरीश रावत ने कहा कि सत्येंद्र चंद्र गुडिया के बाद कांग्रेस को कोई ऐसा संचालक नहीं मिला जो कांग्रेस को तराई में स्थापित कर सके। हरीश रावत ने महानगर अध्यक्ष संदीप सहगल पर मोटी माला के बहाने तंज कसा। दरअसल कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे वरिष्ठ नेताओं का स्वागत महानगर कांग्रेस द्वारा एक बडघी मोटी माला से किया गया था। जिस पर हरीश रावत ने महानगर अध्यक्ष संदीप सहगल को संबोधित करते हुए कहा कि मोटी माला से ज्यादा काशीपुर में कांग्रेस को स्थायित्व प्रदान करन अध्यक्ष होने के नाते उनका उत्तरदायित्व है जिसे उनको पूरा करके दिखाना होगा।निर्धारित समय तीन घंटे की देरी से काशीपुर पहुंची परिवर्तन यात्रा मौ किला से मेन बाजार होते हुए यहाँ गोविंद बल्लभ पंत इंटरमीडिएट कालेज में बनाये गये सभा स्थल पर पहुंची। यहाँ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने परिवर्तन यात्रा में शामिल उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, जसपुर विधायक आदेश चौहान ,महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप सहगल ,किसान कांग्रेस कमेटी महानगर अध्यक्ष शशांक सिंह पीसीसी सदस्य श्रीमती मुक्ता सिंह,डॉ दीपिका गुडघ्या आत्रेय, मनोज जोशी एडवोकेट, अरुण चौहान, विमल गुड़िया, प्रभात साहनी, तौकिर अंसारी, अब्दुल सलीम एंड, माजिद अली, रमेश कुमार सहगल,अकरम बैग, अलका पाल, अफसर अली , मुर्शरफ हुसैन, विकल्प गुडघ्या, सुरेन्द्र सागर, आबिद अली एडवोकेट, गीता चौहान, एडवोकेट, सुरेश शर्मा जंगी, आशीष अरोरा बब्बली, त्रिलोक अधिकारी,अजर कसार, सुहेल खान, ब्रह्मा सिंह पाल, उमेश जोशी एडवोकेट,चन्द्र भूषण डोवाल, विकल्प गुडघ्या, शफिक अहमद अंसारी, राजीव चौधरी, वीरज्योत सिंह ग्रेवाल, अर्पित मेहरोत्रा, दीपक गुप्ता, ब्रज शर्मा,टीका सिंह सैनी, महेंद्र लोहिया, राजेश शर्मा, जतिन नरूला, डश० रमेश कश्यप, सचिन नाडिग एडवोकेट ,अनीस अंसारी, सादाब चौधरी, दिलशाद अंसारी आरिफ अंसारी पार्षद, वसीम अकरम, जितेंद्र सरस्वती, जफर मुन्ना, प्रीत बम ,रवि ढींगरा नितिन कौशिक, विकास कौशिक, महेंद्र बेदी, इल्याज माहिगीर, मंसूर अली,राशिद फारुकी , आदि तमाम कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षामंत्री ने शिक्षक दिवस पर शाल और फूल मालाएँ भेंट कर शिक्षकों को किया सम्मानित

काशीपुर। 5 सितंबर 2021 शिक्षा दिवस शिक्षकों का सम्मान करने पहुंचे शिक्षा मंत्री का शिक्षकों ने एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूल मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया इस दौरान उन्होंने ब्लाक के 730 शिक्षकों को सम्मानित किया। बता दें कि उदयराज हिन्दू इंटर कॉलेज में शिक्षा विभाग के तत्वाध ाान में आयोजित शिक्षक दिवस पर वृहद शिक्षक सम्मान समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षामंत्री अरविंद पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि बलराज पासी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवन कर किया। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति डश्व एस राधा ष्णन की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रध्दांजलि अर्पित की इससे पूर्व शिक्षा विभाग अधिकारियों समेत प्रधानाचार्यो ने अतिथियों का फूल मालाओं व बुके भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान राजकीय कन्या इंटर कश्वलेज काशीपुर की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत, वन्दना व गुरुनानक कन्या इंटर

कश्वलेज की छात्राओं द्वारा बैंड की प्रस्तुति की गई।मुख्य अतिथि श्री पांडेय जी ने काशीपुर ब्लाक के शासकीय, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों व प्राथमिक, जूनियर विद्यालयों के शिक्षकों के साथ साथ सेवा निवृत्त शिक्षक शिक्षिकाओं को शाल एवं फूल मालाएं पहना कर सम्मानित किया।उधर उत्तराखंड माध यमिक शिक्षक संघ जिला पदाधि ाकारियों ने शिक्षक सम्मान समारोह की प्रशंसा करते हुए माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को स्वतरू सत्र लाभ, चयनवेतनमान में लगातार दस वर्ष की सेवा में तदर्थ सेवा का लाभ का जोड़ने के साथ साथ सातवें वेतनमान के अनुरूप चयन प्रोन्नत में एक वेतनवृद्धि का लाभ दिए जाने संबंधी ज्ञापन शिक्षामंत्री को सौंपा। समारोह का संचालन अशोक कुमार अग्निहोत्री व मनोज विश्नोई ने किया प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।पर इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख अर्जुन कश्यप, विद्यालय प्रबंधक शिवनंदन प्रसाद अग्रवाल मुख्य शिक्षा अधिकारी आर सी आर्य, जिला शिक्षा अधिकारी ए के सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी आर एस नेगी, उप शिक्षा अधिकारी गीतिका जोशी, बाजपुर खंड शिक्षा अधिकारी हवलदार प्रसाद, उप शिक्षा अधिकारी प्रेमा बिष्ट, प्रधानाचार्य बृजेश (शेष पृष्ठ 2 पर....)

भाजपा से आम आदमी पार्टी ही उत्तराखंड में ले सकती है टक्कर कांग्रेस नहीं : कर्नल अजय कोठियाल

काशीपुर। 5 सितंबर 2021 आम आदमी पार्टी दिन प्रतिदिन उत्तराखंड में पूर्ण रूप से मजबूत हो रही है आम आदमी पार्टी को मजबूत देखकर कहीं ना कहीं भाजपा और कांग्रेश दोनों ही पार्टियों में हलचल मची हुई है। उसी को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों आए दिन नए-नए कार्यक्रम कर रहे हैं। यह बात आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री का चेहरा माने जाने वाले कर्नल अजय कोठियाल

ने कही।बता दें कि आम आदमी पार्टी के नेता कर्नल अजय कोठियाल रामनगर रोड स्थित आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक वाली के निवास स्थान पर पहुंचे जहां पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकार वार्ता में कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तराखंड में नई पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा पुरानी पार्टियां हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह दोनों ही पार्टियां जनता को गुमराह कर वोट बैंक की राजनीति करती है धरातल पर विकास कार्य नहीं करती।उन्होंने कहा कि आज भाजपा से जनता दुखी और परेशान है उन्होंने कहा कि जनता इस वजह से और भी ज्यादा परेशान है कि उत्तराखंड उत्तर प्रदेश से अलग हुए 20 से 21 वर्ष हो गए हैं। इन 20 से 21 (शेष पृष्ठ 2 पर....)

सम्पादकीय

सामाजिक समरसता के उद्देश्य को हासिल करने के लिए आरक्षित पदों को भरने का काम हो प्राथमिकता के आधार पर

एक ऐसे समय जब नौकरियों का सवाल सिर उठाए हुए है, तब यह सूचना राहत देने वाली है कि केंद्र सरकार रिक्त पदों को भरने की तैयारी कर रही है। एक अनुमान के अनुसार अकेले केंद्र सरकार में लाखों पद रिक्त हैं। चूंकि इनमें करीब 50 हजार पद वे है, जो एक लंबे अर्से से रिक्त हैं इसलिए समय-समय पर यह सवाल उठता रहा है कि आखिर इन बैकलाग पदों पर भर्ती करने में देरी क्यों हो रही है? यह अच्छी बात है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वह ओबीसी आरक्षण के तहत आने वाले बैकलाग पदों को भी भरने की निगरानी करे, लेकिन उसे यह

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षामंत्री ने किया .....

कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य अजय शंकर कौशिक, राजीव लोचन, डा किरन सिंह, बबली यादव, सुरुचि सक्सेना, रिंकू सक्सेना ,डी पी सिंह, अजय कुमार, लक्ष्मी दत्त कबडबाल, स्वतंत्र कुमार मिश्रा, राजेंद्र कुमार, मेजर मुनीशकांत शर्मा, संजय शर्मा, कौशलेश कुमार गुप्ता, मनोज शर्मा ,राजकीय शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा, अमित बाटला, मोहन बिष्ट ,रजत सिद्दू ,अभिषेक गोयल, संजय चतुर्वेदी ,सीमा चौहान ,पार्षद मंजू यादव, अनीता कम्बोज, बैशाली गुप्ता, समेत विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे।

भाजपा से आम आदमी पार्टी ...

वर्षो में अलग-अलग पार्टियों ने उत्तराखंड में राज किया। परंतु उत्तराखंड का विकास नहीं कर पायी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अंदर कलह इस कदर बढघ हुआ है जिसके चलते कांग्रेस पार्टी कामयाब नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने अपने आपको कहीं ना कहीं साबित कर रखा है उन सब मुद्दों पर जिन की उत्तराखंड को जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह सब आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में साबित किया है जहां पर कांग्रेस और भाजपा का गढघ माना जाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता को तीसरे विकल्प के रूप में आम आदमी पार्टी भा रही है। और बडघ तादाद में लोग खुद ही आम आदमी पार्टी से जुडघ रहे हैं क्योंकि उत्तराखंड की जनता को आम आदमी पार्टी से उम्मीद है कि आम आदमी पार्टी ही उनकी मूलभूत समस्याओं का निवारण कर सकती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के द्वारा जो भी घोषणाएं की जा रही है वह मात्र बोल ही नहीं रहे हैं वह सब घोषणाएं आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद पूरी की जाएंगी।उन्होंने कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर तंज कसते हुए कहा की पार्टियां चुनाव आने से पहले नए-नए कार्यक्रम करती ही रहती है। उससे आम आदमी पार्टी पर कोई फर्क पडघ्ने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी आम आदमी पार्टी से जनता खुद ही जुडघ रही है उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 300 यूनिट बिजली फ्री योजना पर करीब उत्तराखंड के 10 लाख लोगों ने अब तक रजिस्ट्रेशन करा दिया है। उन्होंने कहा कि जनता खुद ही आम आदमी पार्टी से जुडघ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में है और कांग्रेस बिपक्ष में भाजपा यदि कार्य नहीं कर रही है तो कहीं ना कहीं कांग्रेस भी उसके लिए जिम्मेदार है। कांग्रेस पार्टी उसका विरोध नहीं करती है दोनों ही पार्टियां एक सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने मन बना लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ उत्तराखंड में अपनी सरकार बनाएगी। तो वही भाजपा की आशीर्वाद यात्रा और कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के बारे में आप नेता दीपक बाली ने कहा कि दोनों ही दल जनता को भ्रमित करने के लिए यह सब कर रहे हैं और अपनी अंदरूनी कलह को छिपाने के लिए जनता के सामने यह दर्शाना चाहते हैं कि दोनों ही दलों के नेता अपने अपने दल में आपस में एक हैं जबकि हकीकत क्या है यह जनता बखूबी समझ रही है। इस दौरान कुछ युवाओं ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की।प्रेस वार्ता के दौरान आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शिशुपाल रावत जिलाध्यक्ष मुकेश चावला उपाध्यक्ष अमन बाली अभिताभ सक्सेना महानगर अध्यक्ष मनोज कोशिक मनोज कुमार शर्मा नील कमल शर्मा पवित्र शर्मा आयुष मेहरोत्रा शहजाद सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे जो सभी श्री कोठियाल के काफिले में शामिल हो सल्ट के शहीद दिवस पर शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए रवाना हो गए।

नारी शक्ति के लिए प्रेरणा है पैरालम्पिक में भाविना की जीत

भारत की नारी शक्ति विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने के अलावा अब खेलों में भी लगातार इतिहास रच रही है और देश की आधी आबादी को अपने-अपने क्षेत्र में आगे बढघ्ने के लिए पूरी हिम्मत और हौंसला प्रदान कर रही है। पिछले दिनों टोक्यो ओलम्पिक में भारत की महिला हश्वकी टीम भले ही पदक जीतने में सफल नहीं हो सकी थी किन्तु सभी महिला खिलाडिघ्यों ने जिस बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया था, उससे समूचा राष्ट्र उनका मुरीद हो गया। ओलम्पिक में मीराबाई चानू, पीवी सिंधु तथा लवलीना बोरगोहेन ने तो पदक जीतकर खेलों की दुनिया में नारी शक्ति की बढघ्ती ताकत का स्पष्ट अहसास कराया ही था। महिला खिलाडघ ओलम्पिक के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भी शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और अब 29 अगस्त को गुजरात के एक गांव में छोटी सी परचून की दुकान चलाने वाले हंसमुखभाई पटेल की 34 वर्षीया बेटी भाविना बेन पटेल ने टोक्यो पैरालम्पिक में भारत के लिए पहला पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली भाविना दूसरी भारतीय महिला खिलाडघ हैं। उनसे पहले पांच साल पूर्व रियो पैरालम्पिक में भारतीय पैरालम्पिक समिति द्धपीसीआईऋ की मौजूदा अध्यक्ष दीपा मलिक गोला फैंक में रजत पदक जीतकर पैरालम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाडघ बनी थी।गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर के एक छोटे से गांव में 6 नवम्बर 1986 को जन्मी भाविना की यह जीत भारत की नारी शक्ति के लिए इसलिए भी प्रेरणादायी है क्योंकि जिस भाविना को शुरू से ही पदक का दावेदार ही नहीं माना जा रहा था, उसने अपने हौंसले और जज्बे की बदौलत अपने पहले ही पैरालम्पिक में रजत जीतकर इतिहास रच डाला। हालांकि पैरालम्पिक की टेबल टेनिस क्लास 4 स्पर्धा के महिला एकल फाइनल मुकाबले में भाविना दुनिया की नंबर वन मानी जाने वाली बीजिंग तथा लंदन में स्वर्ण पदक सहित पैरालम्पिक में पांच पदक जीतने वाली और विश्व चौम्पियनशिप की छह बार की पदक विजेता चीन की झाउ यिंग से हार गई लेकिन भाविना भारत की ओर से टेबल टेनिस में पैरालम्पिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाडघ बन गई हैं और पैरालम्पिक के इतिहास में टेबल टेनिस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली भी पहली भारतीय हैं। उल्लेखनीय है कि क्लास 4 वर्ग के खिलाडिघ्यों के शरीर में विकार मेरूदंड में चोट के कारण होता है और उनका बैठने का संतुलन सही रहता है तथा उनकी बांह और हाथ पूरी तरह से काम करते हैं।विश्व रैंकिंग में 12वें नंबर की खिलाडघ भाविना का सफर टोक्यो पैरालम्पिक में बहुत शानदार रहा, जो शुरूआत से ही दिग्गज मानी जाने वाली खिलाडिघ्यों को भी पछाडघ्ते हुए आगे बढघ्ती रही। भाविना ने प्री-क्वार्टर फाइनल में विश्व की 8वें नंबर की खिलाडघ को, क्वार्टर फाइनल में रियो पैरालम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता और विश्व की दूसरे नंबर की खिलाडघ बोरिस्लावा पेरिच रांकोविच को तथा सेमीफाइनल में चीन की स्टार खिलाडघ और विश्व रैंकिंग में नंबर तीन मियाओ झांग को हराते हुए भारत के लिए रजत पदक जीतकर पैरालम्पिक में इतिहास रचा है। भाविका जब करीब एक वर्ष की ही थी, तभी वह पोलियो से ग्रस्त हो गई थी लेकिन परिवार के पास भाविना का अच्छा इलाज कराने के लिए पैसे नहीं थे। हालांकि जैसे-तैसे करके भाविना के पिता ने कुछ समय बीत जाने के बाद विशाखापट्टनम में उनकी सर्जरी कराई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ तथा सर्जरी के बाद की जाने वाली एक्सरसाइज में लापरवाही बरतने के कारण भाविना सदा के लिए दिव्यांग बन गई और हमेशा के लिए उन्हें व्हीलचेयर को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना पडघ लेकिन भाविना ने व्हील चेयर को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने गांव में ही 12वीं की पढघई पूरी करने के बाद पत्राचार से स्नातक की डिग्री भी हासिल की।भाविना ने करीब 13 वर्ष पहले अहमदाबाद के वस्त्रापुर इलाके में नेत्रहीन संघ में खेलना शुरू किया था, जहां वह दिव्यांगों के लिए आईटीआई की छात्रा थी। वहां उन्होंने ष्टिदोष वाले बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा तो इसी खेल को अपनाने का निर्णय ले लिया और उसके बाद अहमदाबाद में रोटरी क्लब के लिए पहला पदक जीता। परिवार की आर्थिक स्थिति काफी डांवाडोल थी, इसलिए भाविना को अपना खर्चा चलाने के लिए एक अस्पताल में नौकरी भी करनी पडघी। 2011 में पीटीटी थाईलैंड टेबल टेनिस चौम्पियनशिप में भारत के लिए रजत पदक जीतकर वह दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाडघी बनी और अक्तूबर 2013 में भाविका ने बीजिंग में आईटीटीएफ पैरा टेबल टेनिस द्धपीटीटीऋ एशियाई क्षेत्रीय चौम्पियनशिप के महिला एकल वर्ग में भी रजत पदक जीता। आईटीटीएफ पीटीटी एशियाई क्षेत्रीय चौम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाली वह पहली भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाडघी बनी थी। गुजरात के लिए जूनियर क्रिकेट खेल चुके निकुल पटेल से उनका विवाह हुआ, जो भाविना के दिव्यांग होने के बावजूद उसके बुलंद हौंसलों से अत्यधिक प्रभावित थे। हालांकि निकुल शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं, इसलिए उनके परिजन इस विवाह के सख्त खिलाफ थे लेकिन विवाह के कुछ महीनों बाद उन्होंने निकुल और भाविना के रिश्ते को अपना लिया था।बहरहाल, टोक्यो पैरालम्पिक में रजत पदक जीतकर भाविना ने साबित कर दिखाया है कि संघर्षो ने डरकर हार मानने का नाम जिंदगी नहीं है बल्कि इन संघर्षो का ढघ्ता से मुकाबला कर दूसरों के लिए मिसाल बनना ही असली जिंदगी है। भाविना की ऐतिहासिक जीत पर प्रधानमंत्री ने उनकी जीवन यात्रा को प्रेरित करने वाला बताते हुए कहा भी है कि वह ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करेगी। दरअसल बहुत छोटी सी उम्र में पोलियो हो जाने पर जीवन से हार मानने के बजाय भाविना ने अपने जीवन को जिस प्रकार नई दिशा दी और पैरालम्पिक में शानदार जीत दर्ज कराकर भारत की तमाम महिलाओं के लिए वह प्रेरणस्रोत बनी हैं, वह अपने आप में मिसाल है।

न्यायालय ने दिए बीमा कम्पनी को 6.58 लाख रूपये का भुगतान करने के आदेश

काशीपुर। विद्वान द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशीपुर विनोद कुमार ने सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यक्ति के परिजनों को 6.58 लाख रूपये का भुगतान करने के आदेश दिए हैं। विदित हो कि दिनांक 21.06.2018 को ग्राम शरीफनगर तहसील ठाकुरद्वारा जिला मुरादाबाद निवासी रमणीक सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह अपनी मोटर साइकिल से वीडियोकॉन फैक्ट्री हरियावाला काशीपुर से अपने घर को आ रहे थे कि जैसे ही वह ठाकुरद्वारा में पुराने चलचित्र के सामने पहुंचे तो सामने से आ रहे कि ट्रैक्टर के चालक ने ट्रैक्टरी को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए रमणीक सिंह की मोटर साइकिल में समय करीब रात्रि 8.30 बजे टक्कर मार दी जिससे गम्भीर रूप से घायल होने के कारण रमणीक सिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर को मय चालक के पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस घटना की रिपोर्ट थाना ठाकुरद्वारा में मृतक के भाई पुष्पराज सिंह ने लिखाई। मृतक रमणीक सिंह की पत्नी श्रीमती उमा देवी ने अपने अधिवक्ता कैलाश चन्द्र प्रजापति एडवोकेट के माध्यम से मुआवजे का वाद जिला जज उधम सिंह नगर की अदालत में दाखिल किया जिसे वाद की सुनवाई माननीय द्वितीय अपर जिला जज विनोद कुमार की अदालत में भेजा गया। मृतक के परिजनों की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता कैलाश चन्द्र प्रजापति ने न्यायालय में मृतक की पत्नी उमा देवी व चश्मदीद गवाह पियूष चौहान को परीक्षित कराया तथा न्यायालय को बताया कि इस घटना की सारी गलती ट्रैक्टर चाक की थी। बीमा कम्पनी का तर्क था कि उक्त दुर्घटना मृतक की स्वयं की गलती से हुई है। जिस कारण उक्त दुर्घटना उपयोगदायी उपेक्षा के कारण घटित हुई। अधिवक्ता कैलाश चन्द्र प्रजापति के तर्कों से सहमत होकर तथा पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों का परिशीलन कर माननीय द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विनोद कुमार ने न्यू इण्डिया इंश्योरेंस कम्पनी को मृतक के परिजनों को 6.54 लाख रूपये 7 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करने का आदेश दिया।

डीएम ने दो संस्थाओं पर लगाया दस-दस हजार का जुर्माना

बागेश्वर (संवाददाता)। मानकों के अनुरुप दूध नही मिलने पर जिलाधिकारी की कोर्ट ने दो संस्थाओं पर दस-दस हजार का अर्थदंड लगाया है। तय समय पर जुर्माना जमा नही करने पर चालानी कार्रवाई की जाएगी। बीते वर्ष निरीक्षण के दौरान दिव्येश्वरी आजीविका स्वायत्त सहकारिता गागरीगोल, गरुड़ व हिलांश डेयरी पिंडारी रोड कैलखुरिया से दूध के नमूने लिए थे। नमूनों की जांच को राज्य औषधि एवं खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजा गया था। जांच रिपोर्ट के अनुसार इन दोनों संस्थाओं के दूध में फैट की मात्रा न्यूनतम मानक से कम पाई गई थी। रिपोर्ट आने के बाद मामला न्याय निर्णाय अधिकारी की न्यायालय में भेजा गया। न्यायालय ने दोनों संस्थाओं पर दस-दस हजार का अर्थदंड लगाया है। केस की पैरवी शासकीय अधिवक्ता बसंत बल्लभ पाठक ने की। जिला खाद्य सुरक्षा अभिहीत अधिकारी डा. प्रकाश चंद्र फुलारा ने का कि समय-समय पर खाद्य पदार्थो के नमूने जांच को भेजे जाते है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई की जाती है। अभी कई रिपोर्टों का इंतजार है। उन्होंने सभी व्यापारियों से मिलावटी व एक्सपायरी सामान ना बेचने को कहा है। उन्होंने कहा कि होटल वाले साफ, सफाई पर विशेष ध्यान रखें। नियमों के अनुरुप सामान नही मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। फुलारा ने आम लोगों से मिलावटी सामान बेचने वालों की सूचना भी देने को कहा ताकि ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

एसडीएम व अधिवक्ताओं के बीच विवाद खत्म

काशीपुर (संवाददाता)। अधिवक्ताओं और एसडीएम के बीच चल रहा विवाद आज आपसी समझौते के बीच समाप्त कर दिया गया। काशीपुर बार एसोसिएशन के प्रेस प्रवक्ता अब्दुल सलीम एड. ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि संयुक्त मजिस्ट्रेट आकांक्षा वर्मा व काशीपुर बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बीच समझौता वार्ता हुई। जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता ओमप्रकाश अरोरा के विरुद्ध भेजी गई शिकायत एसडीएम द्वारा वापस लेने की बात कही गयी और कहा कि आपसी गलतफहमी के कारण ऐसी स्थिति बनी। एसडीएम ने कहा कि अधिवक्ता व संयुक्त मजिस्ट्रेट आपस में एक सिक्के के दो पहलू हैं। हम दोनों का उद्देश्य वादकारियों को सुलभ न्याय दिलाना है। एसडीएम ने अधिवक्ताओं को आश्वस्त कराया कि भविष्य में ऐसे हालात दोबारा पैदा नहीं होगे। एसडीएम के आश्वासन पर काशीपुर बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने पिछले 12 दिनों से चल रहे धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन को वापस लेने की घोषणा करते हुए उसे समाप्त कर दिया।

पॉलिसी की राशि दिलाने के नाम पर छह लाख की धोखाधड़ी में दिल्ली निवासी तीन आरोपितों की जमानत नामंजूर

देहरादून (संवाददाता)। असंगठित क्षेत्र के कामगारों का राष्ट्रीय स्तर पर डाटाबेस तैयार करने के मद्देनजर

उत्तराखंड भी सक्रिय हो गया है। प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के करीब 32 लाख कामगारों (घरेलू कार्य, मनरेगा, स्वयं सहायता समूह, कृषि एवं भूमिहर मजदूर, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, भवन निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-ठेली व फेरीवाले, ईंट-भट्टा मजदूर, मछुआरे, लघु व खुदरा उद्योगऋ का पंजीकरण किया जाना है। मुख्य सचिव डा एसएस संधु ने शुक्रवार को इस संबंध में सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि कामन सर्विस सेंटर द्धसीएससीऋ में कामगारों के निश्शुल्क पंजीकरण की व्यवस्था की जाए। जिन क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की दिक्कत है, वहां विशेष शिविर आयोजित किए जाएं। इसके लिए उन्होंने शीघ्र योजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, बाल विकास विभाग, मनरेगा, श्रम, उद्योग समेत अन्य विभागों के अंतर्गत बडघे संख्या में कामगार कार्य करते हैं। ऐसे विभाग अपने स्तर से कामगारों का पंजीकरण ई-श्रम पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करें। यदि कोई श्रमिक संगठन इसमें योगदान देना चाहता है तो उसका सहयोग भी लिया जाए। मुख्य सचिव ने सभी जिलों के डीएम को वीडियो कार्फ्रेंसिंग के जरिये निर्देश दिए कि वे जिला स्तर पर विभिन्न विभागों की बैठक कर असंगठित क्षेत्र के कामगारों की पहचान कर उनका सौ फीसद पंजीकरण कराने के लिए योजना बनाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सीएससी में पंजीकरण अथवा शिविर लगाने का समय ऐसा रखा जाए, जिससे किसी भी कामगार को दैनिक मजदूरी का नुकसान न हो। शिविरों का आयोजन शाम पांच बजे के बाद किया जा सकता है।

आकांक्षा वर्मा की जगह विवेक राय बने काशीपुर के नये मुख्य नगर आयुक्त, कुल 48 अधिकारियों के तबादले

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 20 आईपीएस के तबादलों के बाद अब 48 आईएएस/पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं। मुख्य नगर आयुक्त आकांक्षा वमा की जगह विवेक राय को काशीपुर नगर निगम का नया मुख्य नगर आयुक्त बनाया गया है। प्रत्यूष सिंह को विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर उधम सिंह नगर बनाया गया है। हरवीर सिंह को नैनीताल का अपर जिलाधिकारी प्रशासन तथा सचिव नैनीताल जिला विकास प्राधिकरण बनाया गया है। विवेक प्रकाश को नादेही चीनी मिल का प्रधान प्रबंधक बनाया गया है। पंकज उपाध्याय को हल्द्वानी का नगर आयुक्त बनाया गया है। नारायण सिंह नबियाल को सचिव जिला विकास प्राधिकरण उधम सिंह नगर की जिम्मेदारी दी गई है। सीमा विश्वकर्मा को उधम सिंह नगर का डिप्टी कलेक्टर तथा रविंद्र सिंह को नैनीताल के डिप्टी कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। इकबाल अहमद को अपर सचिव ऊर्जा/युवा, आशीष श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष जिला स्तरीय विकास परिषद टिहरी, वीके ष्ण कुमार को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। आलोक कुमार पांडे को अपर सचिव सहकारिता तथा निबंधक, उमेश नारायण पांडे को निदेशक कर्मचारी बीमा योजना, अभिषेक त्रिपाठी से अपर आवास आयुक्त का पदभार लेकर प्रकाश चंद दुमका को अपर आयुक्त आवास बनाया है। मोहन सिंह बर्निया को सचिव, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) तथा अवधेश कुमार सिंह को हरिद्वार का सिटी मजिस्ट्रेट बनाया गया है। शैलेंद्र सिंह नेगी को विशेष भूमि अधिपत्य अधिकारी तथा उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। चंद्र सिंह मार्तोलिया को अधिशासी निदेशक राजस्व पुलिस, भूलेख सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा से अवमुक्त कर दिया गया है। रामजी शरण शर्मा को सचिव जिला विकास प्राधिकरण टिहरी की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। मोहन सिंह बर्निया को सचिव, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उधम सिंह नगर में बढ़ा कोसी व दाबका का जलस्तर

बाजपुर (संवाददाता)। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश से कोसी व दाबका नदियों में जलस्तर बढ़ गया है। अचानक आए बहाव के कारण नदी क्षेत्र में मवेशी चुगा रहे चरवाहों में भगदड़ मच गई। वहीं, एक ट्रैक्टर-ट्रालीनदी में समा गई। ऐन मौके पर चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। ग्राम इटव्वा, गोबरा, वनगढ़ आदि के लोग नदी के आसपास अपने मवेशियों को चुगान करा रहे थे। इटव्वा निवासी कमलेश सिंह ट्रैक्टर से दाबका पार वनगढ़ क्षेत्र में सामान छोड़कर लौट रहा था।

फौजी घाट के नजदीक नदी में अचानक तेज बहाव ट्राली पलट गई। ट्रैक्टर पानी में डूब गया। कमलेश ने ट्रैक्टर से कूद कर अपनी जान बचाई। नदी में अचानक आए बहाव को देख पशुपालकों ने भी मवेशियों को किसी तरह हांककर बचाया। बहाव के कारण कई खेतों का कटान हुआ है। ग्रामीण बल्देव सिंह ने बताया कि घोषणा के अनुरूप रफ्टा पुल निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है। ऐसे में करीब 200 परिवार परेशान हैं।

काशी क्रान्ति
सच्ची खबर दिखाने का जुनून .....
समाचार पत्र/न्यूज वेब पोर्टल को आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड विभिन्न क्षेत्रों में
रिपोर्ट्स की सम्पर्क करें :-
मो0-9927976675

नजूल भूमि के मुद्दे पर जल्द सुनवाई के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल

रुद्रपुर (संवाददाता)। नजूल भूमि के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई होगी। आज उत्तराखंड सरकार के डिप्टी एडवोकेट जनरल जतिदर सेठी ने मामले की जल्द सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक

त्वरित प्रार्थना पत्र दाखिल किया है। विधायक राजकुमार ठुकराल भी सोमवार को मामले की पैरवी के लिए दिल्ली पहुंचे। विधायक ठुकराल ने बताया कि नजूल के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए आज उन्होंने डिप्टी एडवोकेट जनरल जतिदर सेठी से बात की। विधायक ठुकराल ने कहा कि कई बार मामले को विधानसभा सदन में उठाने के साथ ही वह मुख्यमंत्री से भी आग्रह कर चुके हैं। समाधान न होने पर चुनाव न लड़ने का ऐलान भी कर चुके हैं। नजूल भूमि का मुद्दा फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। पूर्व में उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा उत्तराखंड सरकार की नजूल नीति को निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुज्ञा याचिका एसएलपी दाखिल की। इसके बाद नजूल भूमि पर निवास कर रहे नागरिकों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली थी, लेकिन उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा उत्तराखंड सरकार की नजूल नीति को निरस्त कर दिये जाने से वर्तमान में नजूल नीति अस्तित्व में नहीं है। इससे नजूल भूमि पर बसे हजारों परिवारों को मालिकाना हक नहीं मिल पा रहा है। सुप्रीम कोर्ट से इस मसले का स्थाई समाधान निकालने के लिए प्रदेश सरकार ने अब प्रयास तेज कर दिए हैं। उम्मीद जताई है कि सुप्रीम कोर्ट में नजूल भूमि के मसले पर जल्द सुनवाई होगी और इस मसले का स्थाई समाधान होगा।

उत्तराखंड : सार्वजनिक रूप से उभरते असंतोष के सुरों से भाजपा असहज

देहरादून। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही भाजपा में सार्वजनिक रूप से उभर रहे असंतोष के सुरों ने पार्टी को असहज कर दिया है। रायपुर विधानसभा क्षेत्र द्धदेहरादूनऋ के बाद अब रुडघ्की में कैबिनेट मंत्री की मौजूदगी में महापौर व विधायक के समर्थकों में हुई तकरार का भी पार्टी नेतृत्व ने संज्ञान लिया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि रुडघ्की के प्रकरण की जानकारी ली जा रही है, जबकि रायपुर के मामले में पहले ही जांच कमेटी गठित की जा चुकी है। उन्होंने दोहराया कि पार्टी में अनुशासनहीनता को किसी भी दशा में सहन नहीं किया जाएगा। यह पहला मौका नहीं है, जब भाजपा अपने जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व कार्यकर्त्घ्ताओं की बयानबाजी से असहज हुई हो। पूर्व में खानपुर विधायक कुंवर प्रणव सिंह चौंपियन और झबरेड़ा विधायक देशराज कर्णवाल के मध्य छिडघी जुबानी जंग खूब चर्चा में रही थी। चौंपियन की एक विवादित टिप्पणी के बाद नेतृत्व ने विधायक चौंपियन को पार्टी से निष्कासित तक कर दिया था। हालांकि, करीब सालभर ही उनकी फिर से पार्टी में वापसी हो गई। इसके अलावा विधायक पूरन सिंह फर्त्घ्याल एक सडघ्क के मामले को लेकर मुखर रहे हैं। इस पर पार्टी ने जांच कमेटी भी गठित की थी, मगर फिर प्रकरण जैसे-तैसे शांत हो गया। उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शमशेर सिंह सत्याल और श्रम मंत्री डा हरक सिंह रावत के बीच छिडघी रार अभी तक खत्म नहीं पाई है। इसके अलावा कुछ अन्य विधायकों व पार्टी कार्यकर्त्घ्ताओं की बयानबाजी भी दिक्कतें बढघती रही है।बीते रोज ही मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले रायपुर क्षेत्र के विधायक उमेश शर्मा काऊ और पार्टी के कुछ कार्यकर्त्घ्ताओं के बीच तू तू-मैं मैं हो गई थी। तब कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत भी मौजूद थे। पार्टी ने इस प्रकरण में प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार की अध यक्षता में जांच कमेटी गठित की है। इस प्रकरण की आंच अभी ठंडी भी नहीं पडघी थी कि रविवार को रुडघ्की में ऐसा ही मामला सामने आया।कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद की मौजूदगी में ही शिलापट पर नाम को लेकर रुडघ्की के महापौर गौरव गोयल व विधायक देशराज कर्णवाल के समर्थकों के मध्य तीखी नोकझोंक की घटना ने पार्टी की परेशानी बढघ दी। यही नहीं, हाल में ही ;षिकेश की महापौर, ;षिकेश के मंडल अध्यक्ष और पौडघी के पूर्व जिलाध्यक्ष को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी नोटिस जारी कर चुकी है।

ऊधमसिंह नगर में हत्यारोपित प्रेमी और उसका पिता गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

रूद्रपुर (संवाददाता)। संजयनगर में पाटल से वार कर प्रेमिका की हत्या करने के आरोपित प्रेमी की गिरफ्तारी के बाद हत्या में संलिप्तता मिलने पर उसके पिता को भी गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने दोनों पिता पुत्रों के खिलाफ पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है। बाद में पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। संजयनगर निवासी भोला उर्फ किंकर मंडल के तीन साल के पुत्र की रविवार को जन्मदिन था। इस दौरान उसकी मलिक कालोनी, भूरारानी निवासी प्रेमिका निर्मला भी अपनी मां आनंदी देवी और चार साल के पुत्र के साथ पहुंच गई। जहां पर

भोला और निर्मला के बीच हुए विवाद हो गया था। जिस पर भोला ने निर्मला की गर्दन पर पाटल से वार कर हत्या कर दी थी। इस मामले में मौके पर पहुंची पुलिस ने हत्यारोपित भोला को गिरफ्तार कर लिया था। साथ ही मृतका की मां आनंदी देवी की तहरीर के आधार पर भोला और उसके पिता सुखदेव सिंह के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं पर केस दर्ज कर लिया। एसपी सिटी ममता बोहरा ने बताया कि भोला के पिता की भी संलिप्तता मिली है। वह फरार हो गया था। देर रात भोला के पिता सुखदेव को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दोषियों पर कार्रवाई के साथ सरकार को हफ्तेभर में जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश

नैनीताल (संवाददाता)।हाईकोर्ट ने भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड उत्तराखंड में अनियमितता की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने सरकार से एक सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट पेश करने के निर्देश देने के साथ ही यह बताने को भी कहा है कि दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से आज सीलबन्द लिफाफे में प्राथमिक जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा था। जिसे सोमवार को सरकार की तरफ से पेश नहीं किया गया। सरकार ने प्राथमिक रिपोर्ट पेश करने के लिए कोर्ट से एक सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा। अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। सोमवार को वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खण्डपीठ में काशीपुर निवासी खुर्शीद हुसैन की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। पिछली तिथि को बोर्ड के चेयरमैन शमशेर सिंह सत्याल ने एक प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि उनको इस जनहित याचिका में पक्षकार बनाया जाय। कहा कि बोर्ड में एक हश्वस्पिटल बनाने को लेकर 20 करोड़ रुपया का गबन हुआ है। हश्वस्पिटल को बनाने के लिए बोर्ड सदस्यों ने सरकार व कैबिनेट की अनुमति तक नही ली। एक कम्पनी को 20 करोड़ रुपया का अग्रिम भुगतान तक कर दिया है। जनहित याचिका के अनुसार 2020 में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में श्रमिकों को टूल किट, सिलाई मशीनें एवं साइकिलें देने हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया गया था लेकिन इनको खरीदने में बोर्ड के अधिकारियों द्वारा वित्तीय अनियमिताएं बरती गई।

अवैध निर्माण का मुद्दा हुआ हॉट

नैनीताल। शहर में बाहरी लोगों द्वारा किया जा रहा अवैध निर्माण का मुद्दा इन दिनोंहॉट बना हुआ है। शहर में बेतरतीब तरीके से हो रहे अवैध निर्माण कार्योंको लेकर अब सत्ता पक्षधारी विरोध ा में उतर आए हैं। बीते दिनों पालिका के नामित सभासद मनोज जोशी और अधिवक्ता नितिन कार्की द्वारा बाहरी लोगों द्वारा किए जा रहे अवैध ा निर्माण के मुद्दे को सीएम के सामने जोर-शोर से उठाया जा चुका है। जिसके बाद शहर मेंइसको लेकर बेहद चर्चा है। लोगों का कहना है कि स्थानीय लोगों को तो भवन में है खिड़की बदलने तक के लिए विभागीय चक्कर काटने पड़ते हैं, जबकि बाहरी राज्यों व शहरों से पहुंच रहे लोगों द्वारा धड़ल्ले से शहर में अवैध निर्माण करवाए जा रहे हैं।

डीएम से मिला किसानों का प्रतिनिधिमंडल

रुद्रपुर (संवाददाता)। किसान विकास क्लब का एक प्रतिनिधि ामंडल सीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपकर गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट के तहत वर्ग एक खा पट्टा धारकों को विनियमितीकरण यानी वर्ग एक क संक्रमणीय भूमिधरी अधिकार देने की मांग की। साथ ही इसका शासनादेश जारी किया गया।किसान विकास क्लब के प्रदेश अध्यक्ष अरुण शर्मा की अगुवाई में सोमवार को डीएम रंजना राजगुरु को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि पट्टाधारकों का विनियमितीकरण किए जाने के संबंध में 27 जुलाई, 2016 को एक साल के लिए शासनादेश जारी किया गया था। पिछले साल नौ नवंबर को प्रचलित सर्किट रेट का एक का 20वां भाग जमा करने पर पट्टाध ाारकों को वर्ग एक क संक्रमणीय भूमिधरी अधिकार प्रदान करने के लिए आदेश दिए गए थे। बाद में इसकी अवधिक बढघई गई। पिछले साल दो नवंबर को वर्ग चार के अवैध कब्जेदारों तथा वर्ग तीन के पट्टाधारकों को संक्रमणीय अधि ाकार देने के लिए शासनादेश जारी नहीं किया गया था। इससे जिले में काफी लोग एक्ट के पट्टेदार लाभ पाने से वंचित हो गए हैं। कहा कि वर्ग चार के अवैध कब्जेदार जिनका 30 जून, 1983 से पूर्व चला आ रहा है। उनकी भूमि को विनियमित करने की व्यवस्था वर्तमान में लागू है, मगर 30 जून, 1983 से 30 जून, 1995 तक के काफी कब्जेदार जिले में हैं। यदि 30 जून, 1983 की समय सीमा 30 जून, 1995 तक बढघ दी जाए तो काफी संख्या में किसान इसका लाभ उठा सकते हैं। प्रतिनिधि ामंडल में राजवीर मिश्रा, कुलविदर सिंह, गौरव मिश्रा, सत्यम शर्मा, कुलदीप सिंह, सतनाम सिंह, अनिल कुमार शामिल थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अली अकबर द्वारा आनन्द प्रिन्टर्स, रतन सिनेमा रोड, काशीपुर, उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं कार्यालय इस्लामनगर, बसई, थाना कुण्डा, काशीपुर जनपद उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। **सम्पादक- अली अकबर मो0 - 9927976675 email : kashikranti786@gmail.com, alikashipur@gmail.com**